VIVEKANANDA SEVA SAMITEE

14-C-1,2 Ganga Vatika Phase One. Shivananda Nagar .Rishikesh.249192.Website-www.vssvedanta.org.
Email: vsshyderabad@gmail.com, Mob: 8006881268, Phone: 0135 2442976, Fax: 0135 2442148

Total question-60,Marks60
Time -1Hour.

श्रद्धा और बल

1. स्वामीजी के अनुसार कौन नास्तिक है?

   (a) जिसका अपने आपमें विश्वास नहीं है। (b) जिसका ईश्वर में विश्वास नहीं है।

2. पाप क्या है?

   (a) खुद को दुर्बल समझना। (b) दूसरों को दुर्बल समझना। (c) (a) एवं (b) दोनो

3. 'तुम जो कुछ सोचेगे, वही हो जाओगे' इसलिए ' ....' यह कभी न कहना–

   (a) मैं नहीं कर सकता (b) मैं कर सकता

4. 'शक्ति ही जीवन है' और दुर्बलता मृत्यु, शक्ति क्या है?

   (a) पवित्रता (b) सत्य (c) निस्वार्थता (d) इनमें से सभी

5. दुर्बलता का क्या उपाय है?

   (a) शक्ति के बारे में सोचना (b) मदद के वास्ते ताकते रहना (c) दोनो

6. गीता और उपनिषद किस चीज का संदेश देती हैं?

   (a) शक्ति का (b) निर्भयता का
   (c) धर्म का (d) (a) एवं (b) दोनो

7. आज संसार को किसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है?

   (a) विज्ञान और तकनीकी (b) आतंकवाद को रोकने की
   (c) गरीबी से लड़ने की (d) वीर्यवान, तेजस्वी, श्रद्धासम्पन्न, कपटरहित नवयुवकों की।

8. स्वामीजी के साथ घटी काशी की घटना हमें क्या संदेश देती है?

   (a) जीवन की कठिनाईयों से बचना
   (b) जीवन की कठिनाईयों का दृढ़ता से सामना करना

9. स्वामीजी का हमारे लिए क्या उपदेश है?

   (a) बलवान बनो (b) फुटबाल खेलो।

मन की शक्तियां

10. सारा धर्म और नीति का सार क्या है?
    (a) एकाग्रता (b) पवित्रता
    (c) (a) एवं (b)
11. पढ़ाई में होशियार एवं दुर्बल विद्यार्थी का जो भेद नजर आता है वह किस कारण–
    (a) एकाग्रता की शक्ति के कारण (b) पढ़ाई में रूचि न रहने के कारण
    (c) पढ़ाई योग्य माहौल न होने के कारण (d) उपरोक्त सभी
12. सामान्य मनुष्य निरन्तर भारी भूले करता रहता है –
    (a) आत्मशक्ति की कमी के कारण
    (b) नब्बे प्रतिशत विचार शक्ति के व्यर्थ नष्ट होने के कारण
13. इनसे संसार में कुछ नहीं होगा –
    (a) छोटे दिलवालों से (b) निर्धन लोगों से
14. जो भी करना बड़ी लगन और दिल से करना इससे–
    (a) एकाग्रता में सहायता होगी (b) कमजोरी हटेगी
    (c) काम अच्छा होगा (d) (a) एवं (c) दोनो
15. एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाने हेतु हमें मन और शरीर की पवित्रता चाहिए। इसे प्राप्त करने के लिए –
    (a) मन और शरीर को प्रशिक्षित करना होगा।
    (b) औषधि लेनी होगी
    (c) अच्छे डॉक्टर को दिखाना होगा
16. अनियंत्रित और अनिर्दिष्ट मन हमें सदैव उत्तरोत्तर नीचे की ओर घसीटता रहेगा, हमें चीर डालेगा, हमें मार डालेगा, और नियंत्रित तथा निर्दिष्ट मन हमारी रक्षा करेगा, हमें मुक्त करेगा। कैसे मन को नियंत्रित करें?
    (a) अभ्यास और वैराग्य से (b) मन को खुली छूट देने से
    (c) मन को हमेशा अच्छे कार्यों में और विचारों में व्यस्त रखने से (d) (a) एवं (c) दोनो

17. जीवन में अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए –
(a) सोते–जागते सब समय उसी को लेकर भावभोर होकर रहना होगा
(b) मस्तिष्क, स्नायु, शरीर के सर्वांग उसी एक ध्येय के विचार में मगन रखना होगा।
(c) दूसरे सारे विचार छोड़ देना होगा।
(d) इनमें से सभी करना होगा।

18. सारे धर्म और नीतिमत्ता का मूल है –
(a) पवित्रता (b) विनम्रता

मानव अपना भाग्य निर्माता

19. जो कुछ हम भविष्य में होना चाहते हैं वह हमारे .....कार्यों पर निर्भर करेगा–
(a) वर्तमान (b) भूत
(c) भविष्य (d) (a) एवं (b)

20. किसी भी राष्ट्र की अवनति का कारण –
(a) आध्यात्मिकता का ह्रास (b) भौतिकता का उदय
(c) देशवासियों का पतन (d) उपरोक्त सभी

21. जीवन में एक आदर्श रखना अच्छा है क्योंकि इससे –
(a) हमारी गल्तियां कम होंगी (b) हमारी रक्षा होगी

22. जीवन में उसे अधिकाधिक ऊँचे कार्य करने के अवसर प्राप्त होते हैं –
(a) जिसका कोई अच्छा प्रशिक्षक होता है
(b) जो अपने कर्तव्य को पूर्ण शक्ति से करता है।
(c) जिसकी पारिवारिक स्थिति काफी अच्छी होती है
(d) उपरोक्त सभी

23. हम जैसा सोचते ओर कार्य करते हैं वैसा ही हम हो जाते हैं, इसलिए हमें–
(a) हमेशा अच्छा सोचना है और अच्छा कार्य करना है।
(b) हमेशा विचारों के बारे में सोचना है।
(c) हमेशा कार्य के बारे में सोचना है।
(d) उपरोक्त सभी

24. स्वामीजी का आदर्श – मनुष्य जाति को उसके दिव्य स्वरूप का उपदेश देना तथा जीवन के (.....) में उसे प्रकट करने का उपाय बताना–
(a) कुछ क्षेत्र में (b) प्रत्येक क्षेत्र में

25. गलत जोड़ी बताओ –
(a) हमें सदैव – (i) क्रियाशील–प्रयत्नशील बने रहना चाहिए
(b) पुनः पुनः अभ्यास ही– (ii) चरित्र का गठन कर सकता है।
(c) हम कुकर्म से बच सकते (iii) ईर्ष्या ओर घृणा के भाव को रोक कर
(d) जहां पुरूषकार, संग्राम नहीं है (iv) वही जीवन का चिह्न है।
(a) (i), (b) (ii), (c) (iii), (d) (iv)

शिक्षा एवं समाज

26. सारी शिक्षा का सार है –
(a) मन की एकाग्रता और अनासक्ति की सामर्थ्य बढ़ाना
(b) इच्छा शक्ति का प्रवाह वश में लाना
(c) अपने पैरों पर खड़ा होना
(d) चरित्र बल, परहित भावना तथा सिंह समान साहस बढ़ाना
(e) उपरोक्त सभी

27. यह .....एक मनुष्य को बड़ा और दूसरों को छोटा बना देती है–
(a) अज्ञानता (b) श्रद्धा
(c) एकाग्रता (d) उपरोक्त सभी

28. एकमात्र .....का ठीक–ठीक पालन कर सकने पर सभी विद्याएं बहुत ही कम समय में हस्तगत हो जाती हैं –
(a) अनुशासन (b) ब्रह्मचर्य
(c) धर्म (d) उपरोक्त सभी

29. देश की अवनति के तौर पर इतिहास की दृष्टि से क्या कारण हैं –
(a) अपवित्रता और चरित्रहीनता का बढ़ना
(b) गरीबी और अंधश्रद्धा का बढ़ना

30. परोपकार ही जवीन है, परोपकार न करना ही ——— है।
(a) पाप है (b) मृत्यु

31. केवल .....के द्वारा ही अमृतत्व की प्राप्ति होती है –
(a) ज्ञान (b) त्याग

मनुष्य की ईश्वर भाव से सेवा

32. दूसरों के प्रति हमारे कर्तव्य का अर्थ है दूसरों की सहायता करना, संसार का भला करना, इसमें धन्य कौन होता है –
(a) देने वाला (b) पाने वाला

33. बुद्ध के समान इस महादुःख पूर्ण संसार सागर में गोता लगाकर या तो इस संसार के दुःख को दूर करो या इस प्रयत्न में प्राण त्याग दो –
(a) इसके लिए मैं प्रयत्न करूंगा (b) ये मुझसे नहीं होगा

34. केवल वही व्यक्ति सबकी अपेक्षा उत्तम रूप से कार्य करता है –
(a) जो पूर्णतया निःस्वार्थ है। (b) जिसके पास बहुत सारी डिग्रियां हैं
(c) जिसके पास बहुत पैसा है। (d) उपरोक्त सभी

35. वही व्यक्ति ईश्वर की सेवा कर सकता है जो जीवों के प्रति दया करता है–
(a) सत्य (b) असत्य

36. .....ही दुःख का कारण है, और कुछ नहीं।
(a) बीमारी (b) अज्ञान (c) गरीबी

37. कोई भी .....किसी से वह वस्तु अलग नहीं रख सकती, जिसके लिए वह वास्तव में योग्य हो –
(a) व्यक्ति (b) शक्ति

38. वेदान्त का उद्घोष .....
(a) दूसरों के कष्ट को कम करने के लिए आगे बढ़ो
(b) केवल शास्त्र का अध्ययन करके पंडित बनो

39. मृत्यु जब अवश्यम्भावी है, तब .....के लिए प्राण त्याग करना ही श्रेयस्कर है–
(a) केवल दूसरों के लिए (b) सत्कार्य के लिए

धर्म और नीति

40. धर्म वह वस्तु है, जिससे पशु मनुष्य तक और मनुष्य ईश्वर तक उठ सकता है।
(a) सत्य (b) अर्द्धसत्य (c) असत्य

41. ज्ञान और शक्ति का अतिरेक .....के बिना मनुष्यों को असुर बना देता है–
(a) अनुशासन (b) पवित्रता

42. धर्मपथ में अग्रसर होने का प्रथम लक्षण –
(a) दिन–प्रतिदिन बड़े प्रफुल्ल होते जाना (b) विषादयुक्त दिखाई देना

43. गलत जोड़ी बताओ –

(a)	भला बनना तथा भलाई करना	(i)	इसमें ही समग्र धर्म निहित है।
(b)	धर्म का मूल उद्देश्य है	(ii)	मनुष्य को सुखी करना
(c)	यह कहना ही एकमात्र पाप है	(iii)	मैं दुर्बल हूं अथवा अन्य कोई दुर्बल है
(d)	वेदान्त का आदर्श यह नहीं है	(iv)	मनुष्य के सच्चे स्वरूप को जानना

(a) (i), (b) (ii), (c) (iii), (d) (iv)

44. ओजशक्तियुक्त पुरूष के कार्यों में महाशक्ति का विकास दिखाई देता है, इस ओज को किससे बढ़ाया जाता है –
(a) पवित्रता से (b) औषधि से
(c) शास्त्र ज्ञान से (d) उपरोक्त सभी

हमारी मातृभूमि भारत

45. सारा संसार .....जाति का जितना ऋणी है और किसी का नहीं–
(a) अमेरिकन (b) ब्रिटिश (c) जर्मन (d) हिन्दू

46. .....भारत के राष्ट्रीय आदर्श हैं –
(a) भक्ति और उपासना (b) सेवा और स्वाध्याय
(c) साधना और सेवा (d) त्याग और सेवा

47. भारत मां का प्राण किसमें है –
(a) धर्म में (b) गरीबों में (c) राजनीति में

48. भारत वर्ष में कौन शक्तिमान पुरूष है –
(a) राष्ट्रवीर (b) समाजवीर (c) धर्मवीर

49. भारतवर्ष का पुनरूत्थान होगा –
(a) सैन्य बल से (b) आत्मा की शक्ति से

50. नेता बनने के लिए पहले सीखना चाहिए –
(a) आदेश देना (b) आदेश का पालन करना

51. गलत जोड़ी बताओ –

(a)	हमारे जातीय चरित्र का धब्बा	(i)	ईर्ष्या
(b)	विस्तार ही जीवन है	(ii)	संकोच मृत्यु
(c)	सिर दे सको	(iii)	तो नेता हो
(d)	भारत के सभी अनर्थों की जड़	(iv)	जनसाधारण की अमीरी

(a) (i), (b) (ii), (c) (iii), (d) (iv)

52. मृत्यु जब अवश्यम्भावी है, तो कीट–पतंगो की तरह मरने के बजाय वीर की तरह .....अच्छा है–
(a) जीना (b) मरना

विविध उपदेश

53. यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो तो किसका अनुसरण करना चाहिए–
(a) हृदय (b) बुद्धि

54. सर्वोच्च स्तर का आनन्द किसमें प्राप्त होता है –
(a) इन्द्रियजनित सुखों में (b) दर्शन, कला और विज्ञान में
(c) आध्यात्मिकता में

55. कौन संसार का सर्वाधिक हित करते हैं –
(a) वासनामुक्त तथा अनासक्त (b) समाजसेवक
(c) राष्ट्र सेवक (d) उपरोक्त सभी

56. प्रत्येक सफल मनुष्य के स्वभाव में होती है –
(a) असामान्य ईमानदारी और सच्चाई (b) चतुराई (c) पुरूषार्थ

57. उन्हें स्वर्ग, मर्त्य एवं पाताल की कोई भी शक्ति कोई क्षति नहीं पहुंचा सकती, जिनके पास .....है।
(a) अमाप धन, प्रतिष्ठा (b) राजसत्ता, मान–सम्मान
(c) सत्य, पवित्रता और निःस्वार्थता (d) उपरोक्त सभी

58. गलत जोड़ी बताओ –

(a)	परोपकार ही धर्म	(i)	परपीड़न पाप
(b)	शक्ति और पौरुष पुण्य	(ii)	कमजोरी ,कायरता पाप
(c)	स्वतंत्रता पुण्य	(iii)	पराधीनता पाप
(d)	दूसरों से प्रेम न करना पुण्य	(iv)	घृणा करना पाप

59. वह क्या चीज है जो मनुष्य–मनुष्य में भेद स्थापित करती है?
(a) धर्म (b) शिक्षा
(c) ज्ञान (d) मस्तिष्क की भिन्नता

60. ईश्वर तथा सत्य ही जगत में एकमात्र .....हैं –
(a) धर्म (b) राजनीति

उपदेश तो तुम्हें अनेक दिये; बस कुछ को प्रत्यक्ष जीवन मे उतारोगे तो दुनिया भी देखे तुम्हारा पढ़ना सार्थक हुआ है।
– स्वामी विवेकानन्द